पूरे देश में लागू होगा यूपी का रिवर ड्रोन सर्वे मॉडल

लखनऊ। प्रदेश में नदियों के संरक्षण को लेकर चल रही योगी सरकार की पहल अब राष्ट्रीय मॉडल बन चुकी है। पहली बार किसी राज्य ने नदी संरक्षण में हाईटेक रिवर ड्रोन सर्वे सिस्टम का व्यापक उपयोग किया है। केंद्र सरकार ने यूपी के मॉडल को पूरे देश में लागू करने का फैसला किया है।

गंगा, यमुना, गोमती और वरुणा का होगा कायाकल्प

150 किमी सर्वे का काम पूरा

नदियों में जीरो डिस्चार्ज की बनाई जा रही कार्ययोजना

नदियों के संरक्षण के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। न केवल नदियों का कायाकल्प हो रहा है, बल्कि इन प्रयासों से गांव-गांव में स्वच्छता, रोजगार और पर्यावरण संरक्षण के नए अवसर भी पैदा हुए हैं। **-जोगिंदर सिंह,** परियोजना निदेशक, राज्य स्वच्छ गंगा मिशन

गंगा, यमुना, गोमती, वरुणा और पांडु नदी के करीब 150 किलोमीटर क्षेत्र का ड्रोन सर्वे पूरा कर राज्य स्वच्छ गंगा मिशन ने नदी पुनरुद्धार के प्रयासों को नई दिशा दी है। लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी और कानपुर जैसे प्रमुख शहरों में किए गए सर्वे ने नदियों की असल स्थिति, प्रदूषण स्रोतों और नालों के गिरने वाले स्थानों की स्पष्ट पहचान करना अब आसान कर दिया है।

इन प्रयासों का पहला सबसे बड़ा लाभ कानपुर जिले को मिलने जा रहा है। ड्रोन सर्वे के बाद नदियों में जीरो डिस्चार्ज की कार्ययोजना बनाई जा रही है। इसको लागू करने के बाद नदियों में जीरो डिस्चार्ज का दर्जा मिलना आसान हो जाएगा। लखनऊ महानगर के लिए ड्रोन सर्वे आधारित संपूर्ण पुनरुद्धार कार्ययोजना तैयार की जा रही है, जिससे गोमती नदी के कायाकल्प को नई दिशा मिलेगी। ब्यूरो